NBT PAGE 3 & 4

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

HINDUSTAN PAGE 6

i-NEXT PAGE 5

एलयू : हाइब्रिड और फिलिप क्लासेज जल्द

ऑनलाइन क्लासेज और विडियो लेक्चर के लिए कैंपस में बनेंगे स्टूडियो

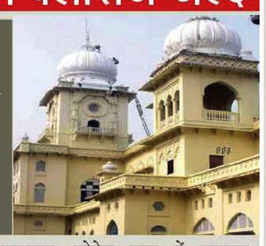

■ एनबीटी, लखनऊः कोरोना काल में लखनऊ विश्वविद्यालय नई तरह से क्लासेज चलाने पर विचार कर रहा है। इसमें पहला है हाइब्रिड और दूसरा फिलिप क्लासेज। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की इन योजनाओं दोनों से स्टूडेंट्स कैंपस और ऑनलाइन दोनों तरह से पढ़ाई कर सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन क्लासेज और विडियो लेक्चर रेकॉर्डिंग के लिए करीब तीन रेकॉर्डिंग स्टूडियो बनाने की योजना भी तैयार की जा रही है।

हाइटेक होंगे रिकॉर्डिंग स्टूडियो

विवि के सूत्रों के मुताबिक, ओल्ड और न्यू कैंपस में करीब तीन स्टूडियो बनाने की योजना है। एक स्टूडियो को तैयार करने की लागत करीब 20 से 25 लाख रुपये होगी। स्टूडियो में हाइटेक कैमरे और अन्य रेकॉर्डिंग के हाइटेक टूल्स होंगे। इसके माध्यम से एलयू के शिक्षक विडियो लेक्चर रेकॉर्ड कर सकेंगे।

कैंपस और ऑनलाइन क्लास अटेंड कर सकेंगे विद्यार्थी

हाइब्रिड क्लासेज योजना के तहत आधे विद्यार्थी घर से तो आधे कैंपस आकर ऑनलाइन कक्षाएं कर सकेंगे। हालांकि ये रोटेशन वाइस होगा। इससे हर स्टूडेंट्स को कैंपस में क्लास करने का मौका मिल सकेगा। वहीं, फिलिप क्लासेज में स्टूडेंट्स घर बैठकर ऑनलाइन क्लासेज करेंगे। इस दौरान कोर्स के टॉपिक से संबंधित कोई भी समस्या आने पर वे कैंपस में आकर शिक्षक से क्वेरी बताकर समाधान पा सकेंगे। इसमें भी एक दिन में कितने स्टूडेंट्स क्वेरी के लिए कैंपस आ सकेंगे यह एलयू प्रशासन निर्णय करेगा।

पीएचडी साक्षात्कार का एक और मौका

■ एनबीटी, लखनऊः पीएचडी साक्षात्कार से छूटे हुए अभ्यर्थियों को लविवि ने एक और मौका दिया है। अभ्यर्थी पांच अक्टूबर को साक्षात्कार दे सकते हैं। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह के मुताबिक, छूटे सभी अभ्यर्थी पांच अक्टूबर को अपने विभाग में सुबह 11 बजे उपस्थित होकर साक्षात्कार दे सकते हैं।

फिर बढ़ सकती है डिप्लोमा में आवेदन की तारीखः विवि के डिप्लोमा, अडवांस डिप्लोमा समेत सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की तारीख एक बार फिर बढ़ने की उम्मीद है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होने में समय है। इसलिए, आवेदन की तारीख बढ़ने की उम्मीद है।

बीएड काउंसलिंग से जुड़ने की तारीख बढ़ी

■ एनबीटी, लखनऊः लविवि ने 19 अक्टूबर से शुरू हो रही संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2020 काउंसलिंग से जुड़ने के लिए प्रदेश के सभी बीएड कॉलेजों को एक और मौका दिया है। एलयू ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों को संबद्ध महाविद्यालयों की सूची पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 5 अक्टूबर तक समय दिया है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड- 2020 समन्वय प्रो. अमिता वाजपेई ने साफतौर को कहा है कि 5 अक्टूबर के बाद किसी भी दशा में महाविद्यालयों के नाम सम्मिलित नहीं होंगे।

पूर्व शिक्षकों और विभागाध्यक्षों के नाम पर होंगे एलयू के भवन

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय अपने 100वें स्थापना दिवस पर विवि के पूर्व शिक्षकों और विभागाध्यक्षों को सम्मानित करने की अनूठी पहल कर रहा है। विवि प्रशासन परिसर में बने भवनों को डॉ. राधाकलम मुखर्जी, प्रो. टीएन कैमरॉन जैसे अग्रणी और प्रख्यात शिक्षकों के नाम पर रखने जा रहा है। शुरुआत वाणिज्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. केके सक्सेना से नाम से की जा रही है। विवि परिसर में बने न्यू कॉमर्स बिल्डिंग को अब इन्हीं के नाम से जानी जाएगी। इसके साथ दूसरे विभागों में भी इसकी शुरुआत की जाएगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि इससे छात्रों को अपनी बौद्धिक विरासत को पहचानने और उसे आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी।

शताब्दी वर्ष में न्यू कॉमर्स बिल्डिंग से होगी शुरुआत

पीएम को आमंत्रित करने की तैयारी

विवि प्रशासन 100वें स्थापना दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करने के प्रयास में लगा है। विश्वविद्यालय की ओर से कुलाधिपति को इस संबंध में प्रस्ताव भी भेज दिया गया है। प्रधानमंत्री शामिल होने पर सहमति जताते हैं तो विवि के पूर्व कुलपति से लेकर पूर्व शिक्षकों को उनसे सम्मानित करवाया जाएगा।

पीएचडी इंटरव्यू से छूटे छात्रों को एक और मौका

लखनऊ। लविवि ने पीएचडी इंटरव्यू में शामिल न हो पाने वाले छात्रों को एक और मौका दिया है। ऐसे विद्यार्थी पांच अक्तूबर तक विभाग में संपर्क कर इंटरव्यू में शामिल हो सकते हैं। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, पीएचडी प्रवेश के लिए इंटरव्यू 26 से 30 सितंबर तक आयोजित किया गया था। प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण कुछ अभ्यर्थी किसी कारण से इंटरव्यू में शामिल नहीं हो पाए थे। उन्हें पांच अक्तूबर तक का अवसर फिर से इंटरव्यू के लिए दिया गया है।

प्रो. मधुरिमा समन्वयक बनीं

लखनऊ। लविवि ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को और बेहतर बनाने, उनके कैरिअर गाइडेंस के लिए काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल का गठन किया है। मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान को इस सेल का निदेशक मनोनीत किया गया है। मनोविज्ञान विभाग के डॉ. ललित सेल के काउंसलिंग विंग के उप निदेशक व क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक के रूप में काम करेंगे। लोक प्रशासन विभाग की डॉ. वैशाली सक्सेना को गाइडेंस विंग का उप निदेशक नियुक्त किया गया है।

पत्रिका, कॉफी टेबल बुक का विमोचन

एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को टूरेक्दोट्स की विडियो पत्रिका और कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। यह कार्यक्रम पर्यटन अध्ययन संस्थान की ओर से छात्र केंद्रित नवाचारों की एक संख्या के तहत हुआ। इसमें कुलपति ने कहा कि विडियो पत्रिका और कॉफी टेबल बुक विश्वविद्यालय की विरासत यात्रा का चित्रण करती है। इस दौरान आईपीएस की समन्वयक डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने भी विचार रखे।

शोधार्थियों को प्लेसमेंट का मौका

एनबीटी, लखनऊः एलयू में पीएचडी शोधार्थियों को अब शोध करने के साथ प्लेसमेंट का मौका भी दिया जाएगा। विवि प्रशासन अब सेंट्रलाइज्ड पीएचडी प्लेसमेंट सेल का गठन करने जा रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि निजी विश्वविद्यालयों से लेकर शोध संस्थाओं पीएचडी छात्रों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हैं। खास बात है कि एलयू देश के ऐसे चुनिंदा विश्वविद्यालयों में से है जहां इस तरह की सेल का गठन किया जा रहा है।

शिक्षक के लिए नैतिक चरित्र जरूरी

लखनऊ। लविवि के यूजीसी-एचआरडीसी केंद्र ने 'गुरु दक्षता' कार्यक्रम आयोजित किया। उद्घाटन वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और काशी विद्यापीठ, वाराणसी के कुलपति प्रो. टीएन सिंह ने किया। प्रो. सिंह ने शिक्षक के लिए नैतिक चरित्र जरूरी बताया। वहीं प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि शैक्षिक पर्यावरण समाज में सुधार का परिचायक है।

वीडियो पत्रिका का विमोचन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पर्यटन अध्ययन संस्थान की ओर से तैयार वीडियो पत्रिका व कॉफी टेबल बुक का बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विमोचन किया। संस्थान की समन्वयक डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि वीडियो पत्रिका के साथ-साथ कॉफी टेबल बुक में विश्वविद्यालय की सुंदरता का शानदार चित्रण किया गया है। उन्होंने बताया कि संस्थान उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी को अपना पहला 'पर्यटन राजदूत पुरस्कार' देगा। इस अवसर पर कला संकाय के डीन पद्मश्री प्रो. बृजेश शुक्ल, शिक्षा एवं विज्ञान संकाय की डीन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, कॉमर्स संकाय डीन प्रो. राजीव माहेश्वरी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी उपस्थित थे। उधर, कुलपति ने गोह के पोस्टर को रिलीज कर वन्य जीव सप्ताह की शुरुआत की।

बीएड काउंसलिंग से जुड़ने का समय बढ़ा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रदेश के सभी बीएड कॉलेजों को आगामी 19 अक्टूबर से शुरू हो रही संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड - 2020 काउंसलिंग से जुड़ने की समय सीमा बढ़ा दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों को सम्बद्ध महाविद्यालयों की सूची पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 5 अक्टूबर तक की सुविधा प्रदान की है। विश्वविद्यालय ने साफ किया है कि इसके पश्चात किसी भी दशा में महाविद्यालयों के नाम सम्मिलित कर पाना संभव नहीं होगा। इसके अलावा विवि के डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा समेत सर्टिफिकेट कोर्स में आवेदन की तिथि भी बढ़ने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं को राहत मिलेगी।

JAGRAN CITY PAGE I

कॉफी टेबल बुक में दिखेगी लखनऊ विवि की सुंदरता

कॉफी टेबल बुक व वीडियो पत्रिका का विमोचन करते लविवि कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय और आइटीएस की समन्वयक डॉ.अनुपमा श्रीवास्तव • जागरण

लखनऊ विश्वविद्यालय के पर्यटन अध्ययन संस्थान (आइटीएस) द्वारा वीडियो पत्रिका व कॉफी टेबल बुक तैयार की गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कॉफी टेबल बुक और आइटीएस की वीडियो पत्रिका का विमोचन किया। कुलपति ने बताया कि वीडियो पत्रिका के साथ-साथ कॉफी टेबल बुक में भी विश्वविद्यालय की सुंदरता के शानदार चित्रण का भी उल्लेख किया है।

आइटीएस की समन्वयक डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने कहा कि इस कठिन समय के दौरान हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारा मन सबसे बड़ा पर्यटक है, जिसे यात्रा करने के लिए टिकट व पासपोर्ट की आवश्यकता नहीं होती। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान प्रदेश के पर्यटन मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी को अपना पहला 'पर्यटन राजदूत पुरस्कार' प्रदान कर रहा है। इस दौरान कला संकाय के डीन पद्मश्री प्रो. बृजेश शुक्ल, शिक्षा एवं विज्ञान संकाय की डीन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, कॉमर्स संकाय डीन प्रो. राजीव माहेश्वरी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार सिंह समेत तमाम लोग शामिल थे।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि के कुलपति ने किया कॉफी टेबल बुक का विमोचन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पर्यटन अध्ययन संस्थान के तत्वावधान में कुलपति कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में एक वीडियो पत्रिका और एक कॉफी टेवल बुक का विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कॉफी टेवल बुक और 'टूरेक्दोट्स' आईटीएस की वीडियो पत्रिका का उद्घाटन किया, जो विश्वविद्यालय की 'विरासत यात्रा' का चित्रण करती है। कार्यक्रम समन्वयक डा. अनुपमा श्रीवास्तव ने इन दोनों पहलुओं के पीछे की अवधारणा को सबके समक्ष प्रस्तुत किया।

THE PIONEER PAGE 4

Minister to be awarded by ITS

Lucknow (PNS): In a series of student-centric innovations, the Institute of Tourism Studies at LU launched a video magazine and a coffee-table book at the Committee Hall of Vice-Chancellor's office on Thursday. ITS is also conferring the first-ever 'Tourism Ambassador Award' to UP Tourism Minister Neelkanth Tiwari. VC AK Rai released the coffee-table book and 'Tourecdotes', the virtual magazine depicting a heritage walk through LU. He appreciated the efforts of ITS in placing several of its students in online internships in companies across the state even during pandemic times.

लखनऊ विवि छात्रों को तनाव से निपटना भी सिखाएगा

पहल

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय अपने छात्रों को किताबी ज्ञान के साथ ही अब मानसिक तनाव से निपटने के गुर भी सिखाएगा। छात्र अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का हल भी पा सकेंगे। विश्वविद्यालय में काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल का गठन किया जा रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि सेल पर मुहर लगा दी गई है। फिलहाल, इसका संचालन डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन करेगा।

लविवि के मनोविज्ञान विभाग की प्रो. मधुरिमा प्रधान को इस सेल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह सेल दो पहलुओं पर काम करेगी। पहला छात्रों की मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग। इसकी जिम्मेदारी क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. ललित कुमार सिंह को सौंपी गई है।

दूसरे पहलुओं में छात्रों को करियर की जानकारियां पाने का मौका मिलेगा। इसकी जिम्मेदारी लोक प्रशासन विभाग की डॉ. वैशाली सक्सेना को सौंपी गई है। वह छात्रों को नौकरी और करियर से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराएंगी।

पीएचडी साक्षात्कार का एक और मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी साक्षात्कार से छूटे हुए अभ्यर्थियों को एक और मौका देने का फैसला लिया है। ऐसे सभी अभ्यर्थी आगामी पांच अक्तूबर को साक्षात्कार दे सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि छात्रहित को देखते हुए कुलपति ने इसकी अनुमति दे दी है।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने गुरुवार को यह निर्देश जारी किए हैं।

सभी विभागों के ऐसे अभ्यर्थी जो किसी कारणवश साक्षात्कार में शामिल नहीं हो पाए, वे पांच अक्तूबर को अपने विभाग में सुबह 11 बजे साक्षात्कार दे सकते हैं। यह साक्षात्कार 26 से 30 अक्तूबर के बीच हुए थे।

पूर्व शिक्षकों के नाम होंगे विवि के भवन

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

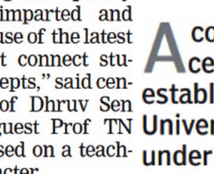

डॉ. राधाकलम मुखर्जी, प्रो. टी. एन. मजूमदार, प्रो. डी. पी. मुखर्जी, प्रो. कैमरॉन, प्रो. बीरबल साहनी... ये कुछ ऐसे नाम हैं जिन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय को दुनिया में एक अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित किया है।स्थापना के 100वें वर्ष में विश्वविद्यालय इन्हें सम्मान देने जा रहा है। विश्वविद्यालय के परिसर में बने भवनों को अब इनके नाम से पहचाना जाएगा।

शुरुआत वाणिज्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. केके सक्सेना से नाम से की जा रही है। विश्वविद्यालय परिसर में बनी न्यू कॉमर्स बिल्डिंग को अब इन्हीं के नाम से जाना जाएगा। दूसरे विभागों में भी इसकी शुरुआत की जाएगी।

विभिन्न हॉल से लेकर भवन इन पूर्व दिग्गजों के नाम से ही जाने जाएंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि इससे छात्रों को अपनी बौद्धिक विरासत को पहचानने और उसे आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी।

पीएम से सम्मानित कराने का प्रयास

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार 100 वें वर्ष में होने वाले स्थापना दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित करने के प्रयास किए हैं। विश्वविद्यालय की ओर से कुलाधिपति को इस संबंध में प्रस्ताव भी भेज दिया गया है। यदि, प्रधानमंत्री शामिल होने पर सहमति जताते हैं तो विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति से लेकर पूर्व शिक्षकों तक को सम्मानित करने का कार्यक्रम बनाया गया है।

i-NEXT PAGE 5

यूजी की काउंसिलिंग में स्टूडेंट्स ने एलयू को दी प्राथमिकता

स्टूडेंट्स की पहली पसंद एलयू

LUCKNOW (1 Oct, inext): एलयू में यूजी की काउंसिलिंग की प्रक्रिया में अभी तक जो रूझान देखने को आये हैं, उसमें 90 परसेंट से अधिक स्टूडेंट्स ने एलयू में पढ़ाई को ज्यादा तवज्जो दिया है. वही एलयू से एफिलियेटेड कॉलेजों में एडमिशन को लेकर स्टूडेंट्स का रूझान कम दिख रहा है. एक्सपर्ट का मानना है कि एलयू में इस बार रिकार्ड आवेदन आने का एक साफ संकेत यह है कि कोरोना काल में स्टूडेंट्स बाहर की यूनिवर्सिटी में पढ़ाने जाने के स्थान पर एलयू को पहले तवज्जो दे रहे हैं. ऐसे में जितने स्टूडेंट्स ने आवेदन किया उन्होंने एलयू को ही अपनी पहली च्वाइस के तौर पर लिया है.

i SPECIAL

पहले चरण की काउंसिलिंग में 90 परसेंट से ज्यादा स्टूडेंट्स एलयू को चुना

कॉम्बिनेशन का विकल्प ज्यादा मद दिया

यूनिवर्सिटी के सूत्रों का कहना है कि काउंसिलिंग में स्टूडेंट्स की ओर से विभिन्न यूजी कोर्सेज में जो कॉम्बिनेशन पढ़ाया जाता है, उसको सब्जेक्ट च्वाइस के दूसरे विकल्प के तौर भर दिया है. स्टूडेंट्स ने अपने पहले सब्जेक्ट च्वाइस के साथ उसी कोर्स में मौजूद दूसरे कॉम्बिनेशन को अपने च्वाइस के विकल्प के तौर पर भर दिया है, लेकिन कॉलेजों में मौजूद अपने पसंद के सब्जेक्ट में एडमिशन के लिए च्वाइस भरी ही नही है. ऐसे में एलयू के एडमिशन की मांग को साफ तौर पर देखा जा सकता है. एलयू बीए में करीब 33 और बीएससी में करीब एक दर्जन से अधिक कॉम्बिनेशन पढ़ाता है. ऐसे में स्टूडेंट्स ने एलयू में मौजूद कॉम्बिनेशन को कॉलेजों में मौजूद सीटों से ज्यादा तवज्जो दिया है. डिग्री कॉलेजों को करना पड़ सकता है इंतजार

CONCEPT PIC

मरीज के हिसाब से दें

90	68
प्रतिशत से ज्यादा छात्रों ने काउंसिलिंग में एलयू को दी वरीयता	कॉलेज को फिलहाल एडमिशन को करना होगा इंतजार
05	06
हजार करीब एलयू में कुल सीटें	स्टूडेंट्स ने किया अप्लाई

है इंतजार

इस बार एलयू के सेंट्रलाइज्ड एडमिशन प्रक्रिया में शामिल 68 कॉलेजों को अपने यहां की सीटें भरने के लिए काउंसिलिंग की कई प्रक्रिया तक इंतजार करना पड़ सकता है. सूत्र बताते हैं कि मेरिट में शामिल स्टूडेंट्स किसी भी हाल में एलयू में ही एडमिशन लेना चाहते हैं फिर वह एलयू के विभिन्न कॉम्बिनेशन में एडमिशन मिल जाए या फिर सेल्फ फाइनेंस कोर्स में ही क्यों न एडमिशन मिले. वही काउंसिलिंग के पहले चरण में मेरिट में शामिल स्टूडेंट्स डिग्री कॉलेजों की तरफ अपना रूख करने को तैयार नही है. ऐसे में कॉलेजों को लो मेरिट वाले स्टूडेंट्स के च्वाइस फील करने का इंतजार करना होगा. तभी उनके यहां की सीटें भर सकेंगी.

नए सेशन में एलयू होगा 'ऑनलाइन'

i INITIATIVE

हाइब्रिड और फिलिप दो मोड में क्लासेस शुरू करेगा एलयू प्रशासन

CONCEPT PIC

LUCKNOW (1 Oct, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन कोरोना काल में कैंपस में क्लासेस कैसे हों, इस पर कई योजनाएं बना रहा है. एलयू नई तरह से क्लासेस चलाने पर विचार कर रहा है. इसमें पहला हाईब्रिड और दूसरा फिलिप क्लासेस है. इसके तहत स्टूडेंट्स कैंपस भी आ सकेंगे और ऑनलाइन क्लासेस भी अटेंड कर सकेंगे. योजना एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा बनाई जा रही है ताकि कैंपस में स्टूडेंट्स कम से कम आएं. इसके अलावा ऑनलाइन क्लासेस और वीडियो लेक्चर रिकॉर्डिंग के लिए करीब तीन रिकॉर्डिंग स्टूडियो बनाने की योजना बनाई जा रही है.

ऑनलाइन क्लासेस और वीडियो लेक्चर रिकॉर्डिंग के लिए करीब तीन रिकॉर्डिंग स्टूडियो बनाने की योजना बनाई.

हाइटेक होंगे रिकॉर्डिंग स्टूडियो

यूनिवर्सिटी के सूत्रों के मुताबिक ओल्ड और न्यू कैंपस में करीब तीन स्टूडियो बनाने की योजना बनाई जा रही है. एक स्टूडियो को बनाने में करीब 20 से 25 लाख की लागत आएगी. स्टूडियो में हाईटेक कैमरे व अन्य रिकॉर्डिंग के हाईटेक टूल्स होंगे, जिससे प्रोफेसर अपने वीडियो लेक्चर रिकॉर्ड कर सकेंगे. साथ ही यूनिवर्सिटी को एक नई दिशा में ले जाने की जानकारी के अहम बिन्दुओं पर वीडियो रिकॉर्डिंग करेंगे. रिकॉर्डिंग वीडियो से न केवल शिक्षा का बल्कि स्टूडेंट्स का भी विकास होगा.

यह है हाईब्रिड क्लासेस

हाइब्रिड क्लासेस में आधे स्टूडेंट्स घर से तो आधे कैंपस आकर ऑनलाइन क्लासेस कर सकेंगे. हालांकि ये कार्य रोटेशन वाइस होगा, जिससे हर स्टूडेंट्स को कैंपस में क्लास करने का मौका मिल सके.

यह है फिलिप क्लासेस

इसमें स्टूडेंट्स घर बैठकर ऑनलाइन क्लासेस करेंगे. क्लासेस के दौरान कोर्स के टॉपिक से संबंधित कोई भी समस्या आने पर वे कैंपस में आकर प्रोफेसर से सवाल पूछ सकेंगे. इसमें भी एक दिन में कितने स्टूडेंट्स क्वारी के लिए कैंपस आ सकेंगे ये एलयू प्रशासन निर्णय करेगा.

कोरोना को देखते हुए ऑनलाइन क्लास और वीडियो लेक्चर रिकॉर्डिंग को तीन रिकॉर्डिंग स्टूडियो बनाने का निर्णय लिया गया है. एक स्टूडियो तैयार करने में करीब 20 से 25 लाख का खर्च आएगा. स्टूडियो हाईटेक कैमरे व रिकॉर्डिंग के अन्य हाईटेक उपकरण से लैस होगा. डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, एलयू

PIONEER PAGE 4

लविवि में ऑनलाइन क्लासेज का होगा संचालन

लखनऊ। कोविड 19 के दौर में शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन क्लासेज के संचालन की दिशा में कदम उठाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए स्टडी मैटेरियल को तैयार करने के उद्देश्य से 3 स्टूडियो भी बनाने का प्रस्ताव है। यह स्टूडियो मुख्य व नवीन परिसर में बनेंगे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4 & 5

मंत्री डॉ. नीलकंठ को लविवि देगा पहला पर्यटन राजदूत पुरस्कार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

- वीडियो पत्रिका व कॉफी टेबल बुक का हुआ विमोचन

लखनऊ। लविवि के पर्यटन अध्ययन संस्थान प्रदेश के पर्यटन मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी को अपना पहला पर्यटन राजदूत पुरस्कार प्रदान कर रहा है। यह घोषणा पर्यटन अध्ययन संस्थान (आईटीएस) की समन्वयक डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने की। इस दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय में आईटीएस के तत्वावधान छात्र केंद्रित नवाचारों की एक श्रृंखला में गुरुवार को कुलपति कार्यालय के समिति हॉल में एक वीडियो पत्रिका और एक कॉफी टेवल बुक का विमोचन हुआ।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कॉफी टेबल बुक और टूरेक्दोट्सः आईटीएस की विडियो पत्रिका का उद्घाटन किया, जो विश्वविद्यालय की विरासत यात्रा का चित्रण करती है। उन्होंने इन कठिन समय में भी राज्य भर की कंपनियों में अपने कई छात्रों को ऑनलाइन इंटर्नशिप में रखने के संस्थान के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने वीडियो पत्रिका के साथ-साथ कॉफी टेबल बुक में विश्वविद्यालय की सुंदरता के शानदार चित्रण का भी उल्लेख किया। आईटीएस की समन्वयक डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने इन दोनों पहलों के पीछे की अवधारणा को सबके समक्ष प्रस्तुत किया और कहा कि इन कठिन समय के दौरान हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि हमारा मन सबसे बड़ा और उत्कृष्ट पर्यटक हैं, जिसे यात्रा करने के लिए टिकट या पासपोर्ट की आवश्यकता नहीं होती।

शिक्षक के नैतिक चरित्र की बतायी महत्ता

- लविवि के यूजीसी-एचआरडीसी के गुरु दक्षता कार्यक्रम शुरू

वरिष्ठ संवाददाता(vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के यूजीसी-एचआरडीसी के गुरु दक्षता कार्यक्रम का उद्घाटन गुरुवार को लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और एमजी काशी विद्या पीठ, वाराणसी के कुलपति प्रो. टीएन सिंह के द्वारा संपन्न हुई। विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लगभग 40 प्रतिभागी इस समारोह से ऑनलाइन जुड़े थे।

यूजीसी-एचआरडीसी के निदेशक प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए प्रकृति के महत्व के बारे में भी चर्चा की। मुख्य अतिथि प्रो. टीएन सिंह ने एक शिक्षक के नैतिक चरित्र पर जोर दिया और कोरोना महामारी के दौरान लविवि द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की। उन्होंने गुरु दक्षता और समाज के उत्थान के लिए शिक्षक और संस्थान के चरित्र की महत्ता पर बात की। प्रो. आलोक कुमार राय ने आज के परिदृश्य में यूजीसी-एचआरडीसी की प्रासंगिकता के बारे में बताया। उन्होंने समाज और राष्ट्र में एक शिक्षक की भूमिका की जानकारी दी और कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता और शैक्षिक पर्यावरण का सुधार समाज में सुधार का परिचायक होता है। विज्ञान संकाय की डीन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। विवि के प्रो बीके शुक्ला, प्रो. राजीव महेश्वरी, प्रो. अरविंद मोहन, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल, प्रो. अनिल मिश्रा, डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रो. राजीव मनोहर, प्रो. एनके मेहरोत्रा, प्रो. अजय मिश्रा, प्रो. रामेश्वर बाली, डॉ. पुनीत मिश्रा, डॉ. अनिल्य गौरव, संजय मेधावी, डॉ. नीरज जैन, प्रो. कमल कुमार, एजीडीसी के प्रधानाचार्य प्रो. उपमा चतुर्वेदी, रजिस्ट्रार डॉ विनोद कुमार सिंह और वित्त अधिकारी संजय श्रीवास्तव उपस्थित थे।

TOI PAGE 3

Programme to sensitise LU teachers

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: A teacher's character plays an important role in his/her ability to impart quality education, said experts while speaking at the launch of the 'Guru Dakshta' programme by Lucknow University's UGC-Human Resource Development Centre on Thursday.

The programme will offer courses for teachers and act as guide to the faculty induction programme that aims to sensitise and motivate faculty members to adopt learner-centeric approaches.

"The programme plays a role in ensuring that quality education is imparted and teachers make use of the latest technology that connect students with concepts," said centre director Prof Dhruv Sen Singh. Chief guest Prof TN Singh emphasised on a teacher's moral character.

Soon, counselling cell at LU campus

A counselling and guidance cell would soon be established at Lucknow University for students reeling under mental health issues. The proposal to set up the cell received the final approval from executive council during a meeting recently. The cell will not only guide students experiencing mental health problems, but would also offer them career counselling.